

अधिकृता

भाषान्य प्रजासत् (विधी व न्याय) विभाग,
नगरालय, मंड़-८०००८६।
हिनाक - ४ फेब्रुअरी, २०११।

अन्य प्राण के लिए उत्तमतम् भी तिर्यक्षुमर वृक्षों का हांड यादा नहीं ल्यायेगा। अब
लिंग की दीन यशस्वि विश्वा का निरपेक्ष देवी वही दीन आजात यहाँ इन्द्राय इन्द्रायपुर
भगवान् त्रिधर्मी करायेगा यह अहं

संस्कृत में विभिन्न वर्णों का असाध्य उपयोग स्वाधीनणा राहीँ।

भ्राताराष्ट्राचे गत्यपाल योच्या आदेशानुसार व नावाने.

विष्णु अस्त्रायादि

(विजय एल. आचार्या)

प्रथान् शीघ्रता व धिर्भि प्राप्तेणौ

प्रभाकर: हिन्दूजे २०५०/३०९६ (२००) का दे
खापात्म्य प्रशासन (विदी व न्याय) विभाग,
मंत्रालय, अमृत-४०००३२,
हिन्दूक - ४ पंचगारी, २०१८।

ग्रन्थालय-

१ विद्युत विभाग, उत्तर वर्षायाम, मुंबई (२५३),
 २ विद्युत विभाग, बी.से.ए.सी.एस. (संस्कृत उपनिषदेव संस्कृत एवं शास्त्र), महाराष्ट्र, मुंबई, कागडा,
 ३ महाराष्ट्र उच्चालय,
 (अ) विद्युत विभाग, उत्तर वर्षायाम उत्तर वर्षायाम हून यदस्तानेवा अन्तर्गत विद्यालयों द्वारा
 आवश्यक असल विभाग इस प्रकार दिला जाएँ।
 (ब) विद्यालय, उत्तर वर्षायाम उत्तर वर्षायाम हून असल विद्यालय स्थानीय विभाग विभाग
 द्वारा उत्तर वर्षायाम उत्तर वर्षायाम हून विद्यालय उपर विभाग विभाग द्वारा दिला जाएँ।
 (क) विद्यालय असल विद्यालय उत्तर वर्षायाम हून विद्यालय उपर विभाग विभाग द्वारा दिला जाएँ।
 (ख) उत्तर वर्षायाम हून विद्यालय उपर विभाग विभाग द्वारा दिला जाएँ।

विषय वाचनिका

(विजय दून, आचार्यालय)

प्रधान सचिव व विधी परामर्शदाता